[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1838 **D** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 213161

Name of the Course : **B.A. (H)/B.Sc. (H) (Math.) (Qualifying Course)**

Name of the Paper : Paper–III – Sanskrit Language

Semester : I

Dutation : 3 Hours Maximum Marks : 100

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains 7 questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Answers may be written *either* in Sanskrit *or* Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 7 प्रश्न हैं ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. किन्हीं **चार** पद्यों की व्याख्या कीजिए : (4×5=20)

Explain any **four** of the following verses :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

P.T.O.

(ii) यदा किंचिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्ध: समभवं
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मन: ।
यदा किंचित्किंचिद् बुधजनसकाशादवगतं ।
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगत: ।।

(iii) अधिगतपरमार्थान् पण्डितान् माऽवमंस्था:
तृणमिव लघु लक्ष्मीर्नैव तान् संरुणद्धि ।
अभिनवमदलेखाश्यामगण्डस्थलानां
न भवति बिसतन्तुर्वारणं वारणानाम् ।।

(iv) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृता मूर्धजा: ।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(v) क्षान्तिश्चेत् कवचेन किं किमरिभि: क्रोधोऽस्ति चेद् देहिनां
ज्ञातिश्चेदनलेन किं यदि सुहृद् दिव्यौषधै: किं फलम् ।
किं सर्पैर्यदि दुर्जना: किमु धनैर्विद्याऽनवद्या यदि
व्रीडा चेत्किमु भूषणै: सुकविता यद्यस्ति राज्येन किम् ।।

(vi) लांगूलचालनमधश्चरणावपातं,
भूमौ निपत्य वदनोदरदर्शनं वा ।
श्वा पिण्डदस्य कुरुते गजपुङ्गवस्तु
धीरं विलोकयति चाटुशतैश्च भुङ्क्ते ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यों की व्याख्या कीजिए : (4×5=20)

Explain any **four** of the following verses :

(i) यस्मान्नोद्विजते लोको लोकान्नोद्विजते च य: ।
हर्षामर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो य: स च मे प्रिय: ।।

(ii) सम: शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयो: ।
शीतोष्णसुखदु:खेषु सम: सङ्गविवर्जित: ।।

(iii) ये तु धर्म्यामृतामिदं यथोक्तं पर्युपासते ।
श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रिया: ।।

(iv) सन्तुष्टः सततं योगी यतात्मा दृढनिश्चयः ।
मय्यर्पितमनोबुद्धिर्यो मद्भक्तः स मे प्रियः ।।

(v) एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते ।
ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः ।।

(iv) अथ चित्तं समाधातुं न शक्नोषि मयि स्थिरम् ।
अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुं धनञ्जय ।।

3. (क) प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं **सात** का सन्धि-विच्छेद कीजिए : (7)

Split the Sandhi in **any seven** underlined words in Question No. 1 and 2.

(ख) निम्न में से किन्हीं **आठ** शब्दों में सन्धि कीजिए : (8)

Join any **eight** of the following :

विद्या + अर्थी, देव + इन्द्रः, चन्द्र + उदयः, ब्रह्म + ऋषिः, अद्य + एव, इति + आदिः, मधु + अहिः, भो + अनम्, नै + अकः, तण्डुल + ओदनम्, लक्ष्मी + ईशः ।

(ग) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पाँच** के सन्धिरूप शुद्ध कीजिए : (10)

Write correct Sandhi forms of any **five** of the following :

हिम + आलयः = हिमलयः,	सुर + इन्द्रः = सुरिन्द्रः
हरि + इच्छा = हरेच्छा,	गण + ईशः = गणीशः
तदा + एव = तदेव,	प्रति + एकम् = प्रतेकम्
पौ + अकः = पवकः,	सु + उक्तिः = सुक्तिः

4. भर्तृहरि के नीतिशतक के आधार पर विद्वत्-पद्धति पर टिप्पणी लिखिये । (5)

Throw light on विद्वत-पद्धति on the basis of Bhartrhari's Nitishataka.

अथवा / Or

भर्तृहरि के नीतिशतक का प्रतिपाद्य लिखिए ।

Give a brief introduction to Bhartrhari's नीतिशतक.

5. श्रीमद्भगवद्गीता के बारहवें अध्याय की विषयवस्तु पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए । (5)

Write a short essay on the subject matter of 12th chapter of "Shrimadbhagavadgita".

अथवा / Or

श्रीमद्भगवद्गीता के बारहवें अध्याय के अनुसार कौन से मनुष्य परमात्मा को परम प्रिय हैं ?

Which type of people are nearer to God – explain this according to the 12th chapter of "Shrimadbhagavadgita".

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : (13)

Write an essay in Sanskrit on **any one** of the following :

(i) महाकविः कालिदासः

(ii) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

(iii) रामायणम्

(iv) श्रीमद्भगवद्गीता

(v) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

7. निम्नलिखित में से किन्हीं छः का **संस्कृत** में अनुवाद कीजिए : (12)

Translate into **Sanskrit** any **six** of the following :

(i) सीता पुस्तक पढ़ती है ।
Sita reads a book.

(ii) तुम विद्यालय जाते हो ।
You go to the school.

(iii) लता नाचती है ।
Lata dances.

(iv) मैं गाँव गई ।
I went to the village.

(v) लड़के खेलते हैं ।
Boys play.

(vi) वह खाना खाता है ।
He eats food.

(vii) राम हँसता है ।
Ram laughs.

(viii) मोहन दूध पीता है ।
Mohan drinks milk.